भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

खण्ड–XXIX अंक–04 29 फरवरी 2024

अहं सर्वस्य प्रभवो मत्तः सर्व प्रवर्तते। इति मत्वा भजन्ते मां बुधा भावसमन्विताः।।

मैं वायुदेव ही सम्पूर्ण जगत् की उत्पत्ति का कारण हूँ और मुझसे ही सब जगत् चेष्टा करता है, इस प्रकार समझकर श्रद्धा और भक्ति से युक्त बुद्धिमान भक्तजन मुझे परमेश्वर को ही निरन्तर भजते हैं। **श्रीमद्भगवद्गीता 10/8**

बधाई (चयन/पदोन्नति)

स्थापना अनुभाग–1 से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार निम्नलिखित संकाय सदस्यों को उनके नाम के आगे दिए गए पद के लिए चयनित/पदोन्नत किया गया है–

संकाय सदस्य का नाम	पिछला पदनाम	नया पदनाम	विभाग/केन्द्र	वेतनमान
प्रो. मोहम्मद अली हैदर	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	रासायनिक इंजीनियरी	₹ 1,59,100–2,20,200 (लेवल–14ए)
प्रो. राहुल नारेन	सहायक प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी	₹ 1,39,600–2,11,300 (लेवल–13ए2)

स्वागत

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/U-3/2024/242794 दिनांक 09.02.2024 के अनुसार **प्रो. प्रदीप्ता मुखर्जी** ने 01.02.2024 से संस्थान के जैव–चिकित्सा इंजीनियरी केन्द्र में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर (ग्रेड-I) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. प्रदीप्ता मुखर्जी को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो, के लिए) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2024/243937 दिनांक 14.02.2024 के अनुसार **प्रो. नीरज जोशी** ने 12.02.2024 से संस्थान के गणित विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–11 में सहायक प्रोफेसर (ग्रेड-II) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. नीरज जोशी को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो, के लिए) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/U-3/2024/246034 दिनांक 19.02.2024 के अनुसार **प्रो. (सुश्री) सविता वेंकटाचारी** ने 24.11.2023 से संस्थान के सिविल इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–11 में सहायक प्रोफेसर (ग्रेड-II) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. (सुश्री) सविता वेंकटाचारी को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो, के लिए) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/U-3/2024/244138 दिनांक 14.02.2024 के अनुसार **डॉ. पवन कुमार** ने 12.02.2024 से संस्थान के अनुप्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिकी

अनुसंधान केन्द्र (CARE) में पोस्ट–डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/U-4/2024/242788 दिनांक 09.02.2024 के अनुसार **डॉ. (सुश्री) ओजस्वी भल्ला** ने 09.02.2024 से संस्थान के मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग में पोस्ट–डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2024/246202 दिनांक 20.02.2024 के अनुसार **श्री अजय कुमार** ने 16.02.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–6 में संस्थान के सुरक्षा कार्यालय में सहायक सुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2024/246203 दिनांक 20.02.2024 के अनुसार **श्री उत्कर्ष बंसल** ने 16.02.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–6 में कनिष्ठ लेखा एवं लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2024/245870 दिनांक 19.02.2024 के अनुसार **श्री राहुल कुमार मिश्रा** ने 13.02.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–5 में लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2024/245874 दिनांक 19.02.2024 के अनुसार **श्री मुकेश कुमार महोर** ने 12.02.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–5 में लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2024/245866 दिनांक 19.02.2024 के अनुसार **सुश्री निशा झा** ने 13.02.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–6 में प्रोडक्शन मैनेजर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2024/245873 दिनांक 19.02.2024 के अनुसार **श्री रवि** ने 13.02.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–5 में लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2024/245040 दिनांक 15.02.2024 के अनुसार **सुश्री श्वेता** ने 08.02.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–5 में कनिष्ठ लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2024/245042 दिनांक 15.02.2024 के अनुसार **श्री सौरभ अग्रवाल** ने 08.02.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–5 में लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2024/245045 दिनांक 15.02.2024 के अनुसार **श्री मोहित** ने 09.02.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–5 में आथित्य सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2024/245044 दिनांक 15.02.2024 के अनुसार **सुश्री विदुषी आर्या** ने 08.02.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–5 में लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-II/2024/245041 दिनांक 15.02.2024 के अनुसार **श्री विशाल** ने 08.02.2024 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–5 में लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

सेवानिवृत्तियाँ

संस्थान के निम्नलिखित संकाय सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 29 फरवरी, 2024 को अपराह्न में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं :–

प्रो. अमिताभ मुखोपाध्याय, प्रोफेसर, कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल

प्रो. अमिताभ मुखोपाध्याय ने 01.11.2018 को संस्थान में प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। संस्थान में कार्यभार ग्रहण करने से पहले, आपने वर्ष 1989 से 1992 तक IMTECH चंडीगढ़ में स्वतंत्र वैज्ञानिक के रूप में अपना करियर शुरू किया। इसके बाद, आपने फरवरी 1992 से अक्टूबर, 2018 तक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली में अपनी सेवाएं प्रदान की। 33 साल के वैज्ञानिक करियर के दौरान, आपने सेल बायोलॉजी और सेल्युलर माइक्रोबायोलॉजी में अत्याधुनिक शोध में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आपके द्वारा किए गए शोध ने विभिन्न रोगजनक रोगों के खिलाफ संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों को प्रकट करने के लिए सेल बायोलाजी को माइक्रो बायोलाजी के साथ जोड़कर होस्ट–पैथोजन इंटरैक्शन में बुनियादी मुद्दों पर कार्य किया। आपके अधिकांश प्रकाशन बहुत प्रतिष्ठित जर्नलों में प्रकाशित हुए। आपके वैज्ञानिक योगदान के लिए आपको एस.एस. भटनागर पुरस्कार, राष्ट्रीय बायोसाइंस पुरस्कार, रैनबैक्सी रिसर्च अवार्ड, जे.सी. बोस फेलोशिप आदि जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

आप राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय विज्ञान अकादमी और पश्चिम बंगाल विज्ञान

अकादमी के फेलो भी हैं। आपके मार्गदर्शन में 25 विद्यार्थियों को पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गई। आपने आईआईटी दिल्ली, सोनीपत परिसर में एक अत्याधुनिक सेल बायोलॉजी प्रयोगशाला सुविधा विकसित की है। आपका दृष्टिकोण अपने शोध और शिक्षण अनुभव का उपयोग करके युवा छात्रों को आधुनिक जीव विज्ञान का मौलिक और उन्नत ज्ञान सिखाना और प्रशिक्षित करना है।

विनम्र स्वभाव के प्रो. अमिताभ मुखोपाध्याय अपने संकाय साथियों, स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों के बीच अत्यन्त लोकप्रिय रहे हैं।

संस्थान समुदाय उपरोक्त संकाय सदस्य को भावभीनी विदाई देते हुए उनके एवं उनके परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं शांतिमय जीवन की कामना करता है।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन

प्रो. प्रवीण पी. इंगोले, अध्यक्ष, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ से प्राप्त एक विज्ञप्ति के अनुसार दिनांक 2 फरवरी, 2024 को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री रामदास आठवले (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार), डॉ. प्रशांत रोकड़े (अतिरिक्त आयुक्त, जी. एस.टी.), एवं श्रीमती बानिता देबी नायोरेम (आय कर आयुक्त, अंतरराष्ट्रीय टेक्सेशन), संस्थान निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि श्री रामदास आठवले जी ने अनुसूचित जाति अनुसूचित एवं जनजाति प्रकोष्ठ कार्यालय की स्थापना को एक बड़ी उपलब्धि बताया और उम्मीद जताई कि प्रकोष्ठ संस्थान के विद्यार्थियों और कर्मचारियों की समस्याओं और शिकायतों का उचित रूप से निवारण करने के लिए कार्य करेगा।

संस्थान निदेशक, प्रो. रंगन बनर्जी ने अपने उद्बोधन में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के उद्घाटन के अवसर पर संस्थानवासियों को शुभकामनाएं दी तथा उन्होंने आशा जताई कि प्रकोष्ठ की स्थापना जिस उद्देश्य के लिए की गई है वह उसी उद्देश्य और संस्थान की गरिमा को बनाने में अपनी भूमिका निभाएगा तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों और कर्मचारियों में सभी वर्गों के साथ सामंजस्य बनाने में योगदान देगा।

विशेष अतिथि श्री प्रशांत रोकड़े ने आई. आई.टी. दिल्ली में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ की स्थापना के लिए निदेशक महोदय का आभार प्रकट किया तथा इस कार्य की भूरि–भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के समस्त कार्यालयों और संस्थानों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों और विद्यार्थियों की समस्याओं के निवारण के लिए इस तरह के प्रकोष्ठ स्थापित किये जाना जरूरी हैं ताकि सभी जरूरतमंद उचित प्रकार से अपनी समस्याओं को रख सकें और उनका निवारण किया जा सके।

विशेष अतिथि श्रीमती बानिता देवी ने इस अवसर पर आमंत्रित किये जाने के लिए निदेशक महोदय और प्रकोष्ठ की टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर जी की प्रेरणा और उनके बताये मंत्रों ''शिक्षित बनो, संगठित बनो और संघर्ष करो'' के कारण आज एक सम्मानित और प्रेरणापूर्ण जीवन जी रही हैं। बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर आज न सिर्फ भारत देश में बल्कि सम्पूर्ण विश्व में प्रेरणा के स्रोत माने जाते हैं।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. प्रवीण पी. इंगोले ने अपने संक्षिप्त संबोधन में संस्थान में प्रकोष्ठ की स्थापना और कार्यलय के लिए उचित स्थान दिलाने के लिए निदेशक महोदय प्रो. रंगन बंनर्जी को धन्यवाद देते हुए इस संबंध में उनके विशेष योगदान के अवगत कराया।

मुख्य अतिथि श्री रामदास आठवले जी ने अपने अभिभाषण में संस्थान के सुंदर परिसर की भूरि–भूरि प्रशंसा की तथा बताया कि भारत सरकार के एक मंत्री के रूप में वह लगातार अनुसूचित जाति एवं जनजाति और समस्त वंचित लोगों की भलाई के लिए कार्य कर रहे हैं और बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर के आदर्शों और शिक्षाओं को सभी वर्गों के कल्याण और उत्थान के लिए प्रधानमंत्री जी के साथ उनके कंधे से कंधा मिलाकर लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बाबा साहेब को सभी वर्गों का मसीहा बताया और सभी देशवासियों को देश की प्रगति और उन्नति में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। अपनी चिरपरिचित हास्य विनोद प्रवृति से मुख्य अतिथि ने सभागार में उपस्थित सभी लोगों को आनंदित किया और कार्यक्रम की सफलता में चार चाँद लगाए।

इस अवसर पर निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने संस्थानवासियों को शुभकामनाएं दी तथा उन्होनें उम्मीद जताई कि यह प्रकोष्ठ सभी वर्गो के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की भलाई के लिए कार्यरत रहेगा। यह कार्यक्रम सीनेट रूम में मनाया गया जिसमें कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़ कर भागीदारी की।

संस्थान में पूर्वी एवं पश्चिमी शैक्षणिक परिसरों का उद्घाटन

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 20 फरवरी, 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आईआईटी दिल्ली के हौज खास परिसर में नवनिर्मित पूर्वी एवं पश्चिमी शैक्षणिक परिसरों का उद्घाटन किया। यह आईआईटी दिल्ली के इतिहास में अनुसंधान और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए अब तक की सबसे बड़ी एकल निर्माण गतिविधि है।

इस अवसर पर संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में भारत सरकार की विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, बीओजी सदस्यों, बिल्डिंग एंड वर्क्स कमेटी (बीडब्ल्यूसी) के सदस्यों, संकाय, कर्मचारियों और संस्थान के विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

संस्थान के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने संस्थान में नव विकसित शैक्षणिक बुनियादी ढांचे का उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

पूर्वी एवं पश्चिमी शैक्षणिक परिसर संस्थान की 20 से अधिक शैक्षणिक इकाइयाँ जिनमें स्कूल ऑफ ए.आई., स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, डिजाइन विभाग, वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग, यांत्रिक इंजीनियरी विभाग, पदार्थ विज्ञान और इंजीनियरी विभाग, गणित विभाग, ऊर्जा विज्ञान और इंजीनियरी विभाग, जैविक विज्ञान स्कूल, बायोमेडिकल इंजीनियरी केंद्र, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, ऑटोमेटिव रिसर्च और ट्राइबोलॉजी केंद्र, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरी विभाग, भौतिकी विभाग, रसायन विज्ञान विभाग, साइबर सुरक्षा पर उत्कृष्टता केंद्र, मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग, केंद्रीय कार्यशाला, अन्तरविद्याशाखायी अनुसंधान स्कूल और केंद्रीय अनुसंधान सुविधाएं शामिल है। यहाँ 300 से अधिक अनुसंधान–सह–शिक्षण प्रयोगशालाएं ऊर्जा, पर्यावरण और स्थिरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विज्ञान, उन्नत सामग्री और उपकरण, मेडटेक और हेल्थकेयर, 5जी/आईओटी/संचार, क्वांटम टेक्नोलॉजीज, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। जैविक विज्ञान, स्वास्थ्य सेवा और तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान के कई अन्य अग्रणी क्षेत्र इन परिसरों में स्थापित किए जाएंगे। इन शैक्षणिक परिसरों में संकाय सदस्यों के लिए कार्यालय, समिति कक्ष, सम्मेलन कक्ष और संकाय लाउंज जैसी अन्य सुविधाएं भी हैं

पुनर्नियुक्ति

स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2023/223158 दिनांक 14.12.2023 के अनुसार **प्रो. अमिताभ मुखोपाध्याय** (कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत तक अर्थात 30.06.2024 तक के लिए कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल में प्रोफेसर के रूप में पुनर्नियुक्त किया गया है।

त्यागपत्र स्वीकृत

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-3/024//246387 दिनांक 20.02.2024 के अनुसार **प्रो. (सुश्री) प्रदीबा एस.**, सहायक प्रोफेसर (ग्रेड-I) (जैव चिकित्सा इंजीनियरी केन्द्र) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था। जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 20.02.2024 से स्वीकार कर लिया है। अतः प्रो. (सुश्री) प्रदीबा एस. को 20.02.2024 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया हैं।
- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/E-2/2024//245028 दिनांक 15.02.2024 के अनुसार **श्री संदीप,** तकनीकी सहायक (वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था। जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 15.02.2024 से स्वीकार कर लिया है। अतः श्री संदीप को 15.02.2024 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया हैं।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com